भजन

तर्ज... मेरे प्यार की उम्र हो इतनी सनम
मेरे श्याम श्यामा प्रीतम प्यारे हो तुम
तुम्ही आशिक हो और माशूक तुम
तेरी रुहे तेरे तन है प्राण रूहों के तुम

1 खोल नैना देखे खिलवत में हम बैठे तले चरण
श्री युगल स्वरुप तो कहें माशूक आशिक हम
हक हम में हैं और हक में हम, फिर क्या है गम

2 पशु पंखी रूहें इश्क के पालेल हैं वहां
दुनिया के मोह सागर में, हम खो गए कहा
बन के आशिक पिया पूछे कहाँ इश्क है गुम
तुम्ही आशिक हो और माशूक तुम

3 मासूक हमरे देते जामे इश्क हमको वहाँ
कुरबान हो गए हमपे खातिर इश्क की यहाँ
हाजिर कर दी है जान भी वास्ते रूहन